# बीज अनुसंधान निदेशालय मऊ – 275 101

## प्रेस विज्ञप्ति

दिनाँकः 28.10.2014

### बीज अनुसंधान निदेशालय द्वारा "बीज दिवस" कार्यक्रम का आयोजन

आज दिनांक 28.10.2014 को बीज अनुसंधान निदेशालय द्वारा निदेशालय परिसर में एक दिवसीय "बीज दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के लगभग 300 कृषकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का गीत गाकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इसके समन्वयक डा० अरविन्द नाथ सिंह ने किसानों का स्वागत किया एवं इस योजना के अन्तर्गत आधे अनुदान पर बीज वितरण की समस्त जानकारी भी किसानों को उपलब्ध कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. अरूण कुमार शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ ने किसानों को सम्बोधित करते हुए परम्परागत कृषि के साथ–साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने को कहा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इन दो संस्थानों का भरपूर लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने ट्राइकोडर्मा की उपयोगिता के बारे में विस्तार रूप से किसानों को समझाया तथा इच्छुक किसान राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो से ट्राइकोडर्मा प्राप्त करने के लिए निवेदन भी कर सकते हैं। डा० एस. राजेन्द्र प्रसाद, परियोजना निदेशक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि मऊ व आसपास के जनपदों के कृषक बीज अनुसंधान निदेशालय द्वारा चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाओं, विकसित प्रजातियों व तकनीकों का प्रयोग कर बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे आयें और इससे आर्थिक लाभ कमा कर अपनी व क्षेत्र की उन्नति में अपना योगदान दें। आस–पास के क्षेत्रों के किसानों के कृषि संबंधित समस्याएं तथा विकास के संदर्भ में परियोजना निदेशक, बीज अनुसंधान निदेशालय ने किसानों से आह्वान किया कि गुणवत्तायुक्त बीज का उपयोग करें साथ ही बीज उत्पादन का कार्य भी करें। बीज शोधन पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि बीज शोधन से कम लागत में फसलों को सुरक्षित किया जा सकता है एवं पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सकता है। डा० टी.एन. तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने पौधों में तत्वों की कमी के लक्षण एवं उसके निदान को किसानों को विस्तार से बताया। डा० राजीव कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने गेहूँ, चना, सरसों की विभिन्न उन्नतशील प्रजातियों के चयन परिस्थिति के अनुसार करने पर जोर दिया। गेहूँ की विभिन्न प्रजातियों को उनके बाली के आधार पर पहचान करने का भी ज्ञान किसानों को उपलब्ध कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डा० उमेश काम्बले, वैज्ञानिक ने गेहूँ, चना एवं सरसों में बीज संवर्धन, बीज विलेपीकरण, बीज गुटिकायन विधियों का विस्तृत ज्ञान किसानों को दिया। इस प्रशिक्षण के प्रश्नोत्तरी काल में किसानों ने खेती से सम्बन्धित समस्यायें एवं निदान के बारे में काफी रूचि दिखायी। इस अवसर पर दलहनी फसलों के प्रोत्साहन हेतु कुछ प्रगतिशील कृषकों को मसूर के बीज वितरित किये गये। कार्यक्रम के अन्त में सभी किसानों ने प्रक्षेत्र भ्रमण करके धान की नयी प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन डा. अरविन्द नाथ सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

एस. राजेन्द्र प्रसाद

(एस. राजेन्द्र प्रसाद)